मैं देखो उज्जैन नगरी आया संग कावड़ भी भरकर लाया

मैं देखो उज्जैन नगरी आया,

श्लोक – त्रिदलं त्रिगुणाकारं,
त्रिनेत्रं च त्रियायुधं,
त्रिजन्म पापसंहारम,
बिल्वंपत्रम शिवार्पणं।

मैं देखो उज्जैन नगरी आया,
संग कावड़ भी भरकर लाया,
भोलेनाथ भोलेनाथ,
मैं देखों उज्जैन नगरी आया,
संग कावड़ भी भरकर लाया,
ओ बाबा करदो कृपा मुझपे आज,
ओ बाबा करदो कृपा मुझपे आज।bd।

जब जब सावन आए,
भक्त कावड़ ले आए,
कावड़ का जल चढ़ाएं ओ बाबा,
करदो कृपा महाकाल,
ओ बाबा करदो कृपा महाकाल।bd।

जब जब ध्यान लगाऊ,
शिव शिव शिव मैं जपते जाऊ,
आपका दर्शन पाऊं ओ शंभू,
आपका ही मैं हो जाऊ,
ओ शंभू आपका ही मैं हो जाऊ।bd।

मैं देखों उज्जैन नगरी आया,
संग कावड़ भी भरकर लाया,
भोलेनाथ भोलेनाथ,
मैं देखों उज्जैन नगरी आया,
संग कावड़ भी भरकर लाया,
ओ बाबा करदो कृपा मुझपे आज,
ओ बाबा करदो कृपा मुझपे आज।bd।

गायक / प्रेषक – ऋतुराज महाराज।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट देखने के लिए मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com